Ch-2 10/4/2020

Model Questions - SET

Pol. Sci

साम्यवादी जगत का विघटन तथा द्विध्रुवीयता का अन्त

Objective type Questions

Q1) 1917 में रूस मे समाजवादी राज्य की स्थापना किसने की ?

Ans लेनिन

Q2) बोल्शेविक क्रान्ति कहाँ हुई थी ?

Ans रूस

Q3) सोवियत समाजवादी गणराज्य की स्थापना कब हुई ?

Ans 1917

Q4) दूसरी दुनिया का आशय किन देशों से था ?

Ans कम्युनिस्ट देश

Q5) सोवियत रूस में मिखाइल गोर्बाचेव कब कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव कब बने ?

Ans 1985

Q6) सोवियत संघ का विघटन कब हुआ था ?

Ans 1991

Q7) जर्मनी का एकीकरण कब हुआ था ?

Ans 1990

Scanned with CamScanner

Page
Date

Q8) 1955 के वारसा संधि में कौन सा देश सदस्य नही था ?
Ans पश्चिमी जर्मनी

Q9) सोवियत संघ के अंतिम राष्ट्रपति कौन थे ?
Ans मिखाइल गोर्बाच्योव

Q10) बर्लिन की दीवार किस वर्ष गिरायी गयी ?
Ans 1989

Q11) बर्लिन की दीवार कब खड़ी की गई ?
Ans 1961

Q12) ग्लासनोस्ट व पेरेस्त्रोयका के मंत्र किसने दिए ?
Ans गोर्बाच्योव

Q13) सोवियत गुट से सबसे पहले कौन सा देश अलग हुआ ?
Ans युगोस्लाविया

Q14) स्वतंत्र राज्यो के राष्ट्रकुल की स्थापना किसने की ?
Ans येल्तसीन

Q15) वारसा संधि को सबसे पहले किस राज्य ने छोड़ा ?
Ans अलबानिया

Scanned with CamScanner

Q16) तीसरा विश्व किसे कहते है,

Ans तीसरा दुनिया से आशय एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशो से है। ये देश विकासशील या अविकसित अवस्था मे है।

Q17) द्वितीय विश्व की अवधारणा की उत्पत्ति किस प्रकार हुई,

Ans शीतयुद्ध के समय द्वितीय विश्व की अवधारणा की उत्पत्ति हुई। अर्थात दुनिया दो गुटो मे बट गया। पूँजीवादी देश पहली दुनिया कहलाते थे, साम्यवादी देशो द्वितीय विश्व कहलाते थे।

Q18) सोवियत प्रणाली क्या थी, इसकी प्रमुख विशेषताओ का उल्लेख करे।

Ans रूस मे 1917 ई० मे समाजवादी क्रांति के फलस्वरूप समाजवादी सोवियत गणराज्य अस्तित्व मे आया। यह समाजवादी क्रांति समाज के लिए काफी आवश्यक था। यह पूँजीवादी व्यवस्था के लिए विरोध मे थी।

विशेषता

1) अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध और राज्य के नियंत्रण मे थी,

2) यह एक राजनीतिक प्रणाली मे एक दलीय व्यवस्था को अपनाया

3) इस प्रणाली के द्वारा सोवियत संघ की सरकार ने अपने सभी नागरिको के लिए एक न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित करने का प्रयास किया।

Scanned with CamScanner

13/4/2020

Q(19) सोवियत प्रणाली के दो दोषों बताइए।

i) Ans एक दल यानी कम्युनिस्ट पार्टी का शासन लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश।

ii) नौकरशाही के कसते शिकंजे के कारण आम जीवन मे कठिनाई और सम्यक विकास मे अवरोध।

Q20) शॉक थैरेपी क्या थी?

Ans साम्यवाद के पतन के बाद पूर्व सोवियत संघ के गणराज्य एक सत्तावादी, समाजवादी व्यवस्था से लोकतांत्रिक पूंजीवादी व्यवस्था तक के कष्टप्रद संक्रमण से होकर गुजरे। रूस, मध्य एशिया के गणराज्य और पूर्वी यूरोप के देशों मे पूंजीवाद की ओर संक्रमण का जो विशेष मॉडल अपनाया, इसे शॉक थैरेपी कहा गया।

दूसरे शब्दों मे हम यह कह सकते है कि चोट पहुंचाकर आर्थिक सहायता प्रदान करना शॉक थैरेपी कहलाता है।

Q21) शॉक थैरेपी के दो परिणाम लिखे।

Ans i) इसके कारण पूरा औद्योगिक ढांचा चरमरा गया

ii) सामूहिक खेती समाप्त हो गयी।

Long question

Page
Date

नई विश्व व्यवस्था क्या थी?

(Q22)

Ans सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका एक महाशक्ति के रूप मे विश्व पटल और और भी शक्तिशाली रूप मे अवतरित हुआ और धीरे-धीरे विश्व व्यवस्था पर उसका वर्चस्व स्थापित हो गया। 1991 के सोवियत पतन के बाद बढ़ता हुआ अमेरिकी वर्चस्व जिस व्यवस्था की पुष्टि करता है उसे ही "नई विश्व व्यवस्था" के रूप मे जाना गया।

(Q23) सोवियत संघ के विघटन के कारण बताए।

Ans 1) स्टालिनवादी संगठन की विफलता :- लेनिन ने 1917 मे रूस मे समाजवादी राज्य स्थापित किया, किन्तु जनवरी 1924 मे उसकी मृत्यु के बाद स्टालिन ने उसे अत्यंत सबल बना दिया। उसने सर्वहारा के अधिनायकवाद को साम्यवादी पार्टी के अधिनायकवाद मे बदला। इस कारण सोवियत संघ का पतन हो गया।

2) आर्थिक असंतोष :- स्टालिन ने समाजवादी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आदेशित अर्थव्यवस्था स्थापित की; निजी सम्पत्ति तथा कृषि का सामूहिकीकरण किया गया। आर्थिक मंदीयाँ शुरु हो गयी। देश मे आर्थिक असंतोष फैलना शुरु हो गया। इस कारण सोवियत संघ का पतन हो गया।

Scanned with CamScanner

Page.
Date.

(3) **योग्य नेतृत्व का अभाव :-** किसी व्यवस्था को स्थापित करने व उसका कुशल व सफल संचालन करने हेतु योग्य नेतृत्व की आवश्यकता होती है। लेनिन, स्टालिन, ख्रुश्चेव व ब्रेजनेव कुशल नेता थे। जिन्होंने अनेक कठिनाइयों का सामना करके अपनी व्यवस्था को बरकरार रखा किन्तु एन्ड्रोपोव व चेर्नेनकोव अत्यंत अयोग्य व अकुशल नेता सिद्ध हुए।

(4) **मानव पूँजी की हानि :-** सजीव मानव राज्य की पूँजी की तरह ही लेकिन सोवियत संघ में उसके व्यक्तित्व को कुचल दिया गया। इस कारण भी सोवियत संघ का विघटन हुआ।

(5) **सेवकतंत्रीय भ्रष्टाचार :-** अधिनायकवादी व्यवस्था में नौकरशाही खूब अच्छी तरह से देखी गयी। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच साँठ-गाँठ ने राजनीतिक व आर्थिक भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया गया। इस भ्रष्टाचार के कारण सोवियत संघ का पतन हुआ।